Literacy for a Billion

Movie: Waqt 1965
Year: 1965

Song: Din Hai Bahar Ke
Lyricist: Sahir Ludhianvi

दिन हैं बहार के
तेरे मेरे इक़रार के
दिल के सहारे आ जा
प्यार करें

दिन हैं बहार के
तेरे मेरे इक़रार के
दिल के सहारे आ जा
प्यार करें

अच्छा नहीं होता यूँ ही
सपनों से खेलना
बड़ा ही कठिन है
हक़ीक़तों को झेलना

दुश्मन हैं प्यार के
जब लाखों ग़म संसार के
दिल के सहारे कैसे
प्यार करें

अच्छा नहीं होता यूँ ही
सपनों से खेलना
बड़ा ही कठिन है
हक़ीक़तों को झेलना

दुनिया का बोझ ज़रा
दिल से उतार दे
छोटी सी ज़िन्दगी है
हँस के गुज़ार दे

अपनी हक़ीक़तें
मेरे सपनों पे वार के
दिल के सहारे आ जा
प्यार करें

दुनिया का बोझ ज़रा
दिल से उतार दे
छोटी सी ज़िन्दगी है
हँस के गुज़ार दे

दुश्मन हैं प्यार के
जब लाखों ग़म संसार के
दिल के सहारे कैसे
प्यार करें

अपनी तो ज़िन्दगी
बीती है जी को मार के
दिल के सहारे कैसे
प्यार करें

ऐसी वैसी बातें सभी
दिल से निकाल दे
जीना है तो कश्ती को
धारे पे डाल दे

ऐसी वैसी बातें सभी
दिल से निकाल दे
जीना है तो कश्ती को
धारे पे डाल दे

धारे की गोद में
घेरे भी हैं मँझधार के
दिल के सहारे कैसे
प्यार करें

दिन हैं बहार के
तेरे मेरे इक़रार के
दिल के सहारे आ जा
प्यार करें

दिन हैं बहार के
तेरे मेरे इक़रार के
दिल के सहारे आ जा
प्यार करें

*Disclaimer: PlanetRead does not own these lyrics and is not using them for any commercial purpose. For over 20 years, PlanetRead has been subtitling Bollywood songs for mass literacy. These lyrics are being offered as part of PlanetRead's literacy development initiative.*

*PlanetRead is a tax-exempt, not-for-profit: 501(c) (3) in the United States and 80(G) in India.*